डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण
एम.ए.पी एच.डी.
अधिव्याख्याता, हिन्दी विभाग
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
तथा
सहसचिव, शिवाजी विश्वविद्यालय
हिन्दी परिषद। एवं
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिन्दी परिषद।

दिनांक :

# प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री. रमेश विठ्ठल गवळी ने मेरे निर्देशन में " ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में युग-चेतना " लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. उपाधि के लिए लिखा है । पूर्व योजना नुसार सम्पन्न इस कार्य में शोध-छात्र ने मेरे सुझाओं का पूर्णतः पालन किया है । जो तथ्य लघु शोध-प्रबंध ने प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं । शोध-छात्र के कार्य से मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूँ ।

कोल्हापुर।
दिनांक : 25 दिसम्बर, 1995

शोध-निर्देशक

( डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण )

डॉ. पी. एस. पाटील
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६ ००४

दिनांक : 25 DEC 1995

# * संस्तुति *

मैं, संस्तुति करता हूँ कि **श्री रमेश विठ्ठल गवळी** का "ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में युग-चेतना" लघु शोध-प्रबन्ध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

( डॉ. पी. एस. पाटील )
**अध्यक्ष**
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६ ००४

# प्रख्यापन

"ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में युग-चेतना" लघु शोध-प्रबन्ध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। प्रस्तुत रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

कोल्हापुर।
दिनांक : 25 DEC 1995

शोध-छात्र

( रमेश विठ्ठल गवळी )